जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

05 जुलाई, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स संचालित करने हेतु रक्षा मंत्रालय के डीजीआर के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए

नैक ए++ मान्यता प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके अपनी शैक्षणिक पेशकशों का विस्तार किया है। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र से जुड़े कर्मियों और अधिकारियों को प्रशिक्षण कोर्स प्रदान करना है।
3 जुलाई, 2024 समझौता ज्ञापन पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति कार्यालय में हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यवाहक कुलसचिव श्री एम. नसीम हैदर और डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली से संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) कर्नल जयदीप सिंह ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो मोहम्मद शकील की उपस्थिति में भाग लिया। इस अवसर पर जामिया के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) की निदेशक - प्रो वीरा गुप्ता और उप निदेशक डॉ. खालिद रजा, जामिया के शिक्षा संकाय की डीन- प्रो. सारा बेगम, जामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष -डॉ. अरशद इकराम अहमद, जामिया के अस्पताल प्रबंधन और धर्मशाला अध्ययन विभाग के अध्यक्ष -प्रो. शिबू जॉन तथा विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे ।

समझौता ज्ञापन ज्ञापन के अंतर्गत जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा सैन्य कर्मियों, जिनमें अधिकारी, जेसीओ, ओआर और उनकी विधवाएं शामिल हैं, चाहे वे वर्तमान में सेवारत हों या सेवानिवृत्त, उनके लिए पुनर्वास पाठ्यक्रम पेश किया जाएगा । ये कोर्स तीन महीने से लेकर छह महीने की अवधि के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स हैं । जामिया और डीजीआर के बीच समझौता ज्ञापन अकादमिक सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो रक्षा कर्मियों और अधिकारियों की अकादमिक और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देता है।

जामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो. मोहम्मद शकील ने डीजीआर के साथ साझेदारी करने पर विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बताया क्योंकि डीजीआर एक ऐसा संगठन है जो राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा और रक्षा अभियानों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रो. मोहम्मद शकील ने संयुक्त सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से पारस्परिक लाभ की संभावना पर प्रकाश डाला, जहाँ डीजीआर विश्वविद्यालय के संसाधनों और क्षमताओं से लाभान्वित होते हुए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा कर सकता है। अपने शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए उन्होंने ज्ञान सृजन एवं अनुसंधान के माध्यम से रक्षा कर्मियों का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुनर्वास कोर्स अपनी नौकरी से जल्दी सेवानिवृत्त होने वाले रक्षा कर्मियों को राष्ट्रीय जीवन में दूसरा करियर शुरू करने में सक्षम बनाएंगे।

डीजीआर के कर्नल जयदीप सिंह ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साथ ऐतिहासिक सहयोग के लिए प्रशंसा व्यक्त की तथा राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालय के विशिष्ट इतिहास एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को मान्यता दी। उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो मोहम्मद शकील के नेतृत्व में इस सहयोग को संभव बनाने में सक्रिय दृष्टिकोण हेतु जामिया का आभार व्यक्त किया ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया